BEST SELLER

Financial Street
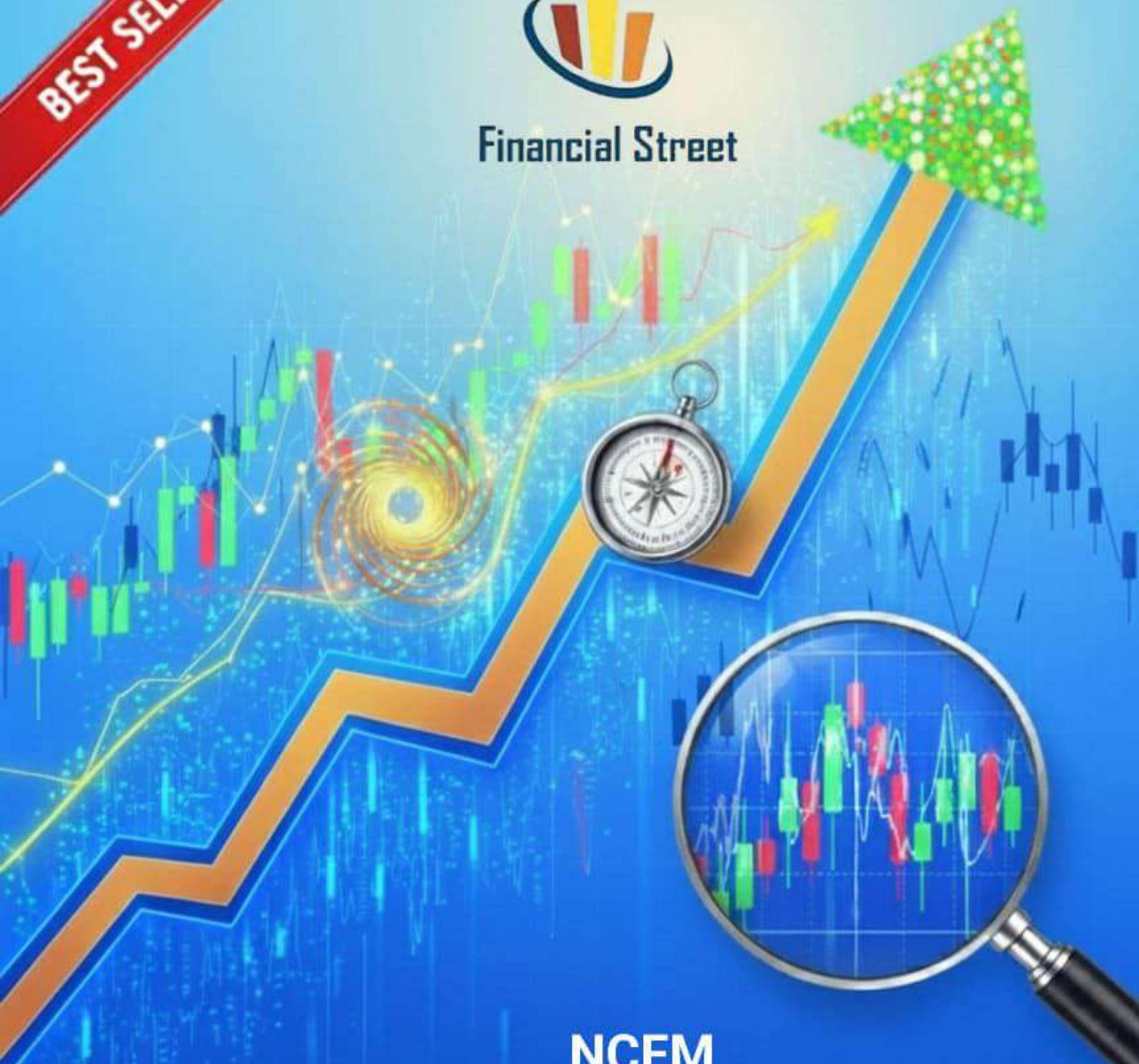
NCFM
TECHNICAL ANALYSIS MODULE
MOCK TEST

2026 Edition

10TH
YEARS
OF TRUST

Why Financial Street

1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
3 Easy to Study on Desktop/Mobile
4 Easy to Study Offline/Online
5 Clear Your Exam in Very First Attempt
6 Excellent Passing/Success Rate
7 Give Exam with High Confidence
8 Regularly Updated
9 Variety of Question & Answers
10 Join Free Demo

Secured & Verified BY

instamojo   GoDaddy

Testimonial

"The mock test of the NCFM Technical Analysis was helpful for me in learning the finer points of technical analysis that I used to find difficult. The mock test was designed such that it forced me to deal with each subject systematically, and this improved my grasp on market analysis tools and charting techniques. I entered the exam with confidence and optimism and am glad to say that I cleared it with ease."

Simran Kaur (Chandigarh)
Technical Analyst

कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े

मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद

पत्रिका
एक्सपर्ट टॉक

ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

ग्वालियर. आप सभी ने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने ▮ में सन् 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने ▮ में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

विकास शर्मा, सीईओ, फाइनेंशियल स्ट्रीट

अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें

एनएसई के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत लोग ऑप्शन ट्रेडिंग व डे ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। इसलिए लम्बी अवधि के लिए अच्छे स्टॉक पर निवेश करें। फर्जी यूट्यूब चैनल व टेलीग्राम चैनलों से बचें। अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें।

अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें

निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडामेंटली अच्छी रेवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंट्री के लिए करें। अच्छी रिस्क रिवार्ड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प

शेयर बाजार का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के विस्तार के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आज युवा से लेकर सीनियर सिटीजन तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंटरेस्ट दिखा रहे हैं। सफल ट्रेडर व इन्वेस्टर करने के लिए किसी प्रोफेशनल डिग्री की जरूरत नहीं होती, लेकिन फाइनेंशियल स्ट्रेटस, फंडामेंटल एनालिसिस और टेक्निकल एनालिसिस का बेसिक नॉलेज होना चाहिए। यदि आपके पास मैथ्स, फाइनेंस, अकाउंटिंग, इकोनॉमिक्स व इंडस्ट्री में दिलो है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज काफी संख्या में लोग इन्वेस्टर और ट्रेडर बन अपना करियर संवार रहे हैं।

निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो यहां से अच्छा रिटर्न पाना असंभव नहीं है। अगर आपका इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो बेहतरीन रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अगर इन्वेस्टमेंट का फैसला जल्दबाजी में लिया जाता है तो कई बार आपको पॉजिटिव रिटर्न के लिए लंबे समय के लिए इंतजार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स हमेशा वैल्यू इन्वेस्टिंग की एडवाइज देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर

रिसर्च पर फोकस करें

एकेडमिक क्वालिफिकेशन के साथ अच्छी एनालिटिकल स्किल, स्ट्रॉन्ग माइंड और रिसर्च स्किल्स होना चाहिए। स्टॉक ट्रेडिंग वैल्यूएट स्किल्स और प्रोसेस की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। इसके उत्तर-चढ़ाव और उससे होने वाले फर्क के बारे में पता होना जरूरी है।

संजीव राठौर, सीनियर वेल्थ रिलेशनशिप मैनेजर

एक नजर में

■ प्रोफेशनल ट्रेडर को फाइनेंस की मूल बातें सम्झाने की जरूरत है। कॉलेज की डिग्री आजकल एक प्रोफेशन है।
■ इन्वेस्टर एडवाइजरी या किसी कंपनी में प्रोफेशनल के रूप में काम करने
के बाद नाबालिग के नाम पर भी अकाउंट खोला जा सकता है।
■ इन्वेस्टर एडवाइजरी या किसी कंपनी में प्रोफेशनल के रूप में काम करने के लिए स्पेसिफाइड होना चाहिए।
■ पैरेंट्स या गार्जियन द्वारा संबंधित दस्तावेज जमा करने

एनालिटिकल स्किल और रिसर्च जरूरी

इस फील्ड में अच्छी एनालिटिकल स्किल, स्ट्रॉन्ग माइंड और रिसर्च स्किल्स जरूरी है। इनके अलावा स्टॉक ट्रेडिंग वैल्यूएट स्किल्स और प्रोसेस की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होनी चाहिए। मार्केट में आने वाले नए प्रोडक्ट्स, उनके उतार-चढ़ाव से जुड़ी लेटेस्ट जानकारी आवश्यक है। प्रेशर हैंडल करना आना चाहिए। इस फील्ड में एक्सपर्ट बनने के लिए अच्छी कम्प्यूटर स्किलस रिसर्च एप्टीट्यूड और फाइनेंस इंडस्ट्री की जानकारी सक्सेस दिला सकती है।

यहां भी मौके

■ स्टॉक मार्केट में आप कई क्षेत्र पर काम कर सकते हैं। इनमें स्टॉक ब्रोकर,
■ फाइनेंशियल एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस,
■ रिसर्च एनालिस्ट, ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इक्विटी एनालिस्ट, मार्केट रिसर्च, एनएसई डिस्ट्रिब्यूटर, एडवाइजर, इंश्योरेंस डिस्ट्रिब्यूटर एडवाइजर।

म्यूचुअल फंड एजेंट बनें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

समय के साथ म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर्स का सबसे पसंदीद जरिया बनता जा रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। लोग अभी भी निवेश करने से डरते हैं। इसीलिए, उन्हें प्रोफेशनल एक्सपर्ट की डिमांड रहती है। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से परामर्श करना अब जरूरत बनता जा रहा है। काफी संख्या में लोग इन एजेंट को हायर कर रहे हैं। यह डिपेंडेंसी आने वाले समय में और बढ़ेगी। यानि आने वाले युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट की मांग रहेगी। युवा इसमें अपना करियर बना सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिसके पास इक्विटी और डेट मार्केट की अच्छी जानकारी है, उसकी मांग बहुत ज्यादा है। म्यूचुअल फंड उद्योग किसी भी पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्ति के लिए करियर की संभावनाओं की एक विस्तृत रेंज और विविध रेंज प्रदान करता है। इनमें से कुछ बिक्री, फाइनेंस, उत्पाद विकास, निवेश, मानव संसाधन, जोखिम और प्रबंधन स्तरों के अनुरूप हैं।

अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फुल टाइम या पार्ट टाइम भी कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचने और उससे कमीशन कमाने का एक बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन वेबसाइट व ब्लॉग बनाकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाध्यता नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाध्यता नहीं है। यदि आप क्लास 10वीं पास भी पढ़े हैं तो एनआईएसएम के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। आपके पास मुख्य डॉक्युमेंट्स में पैन कार्ड और आधार कार्ड होना अनिवार्य है।

ये होता है वर्क

■ निवेशकों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना।
■ अन्य प्रतिस्पर्धी उत्पादों की तुलना में निवेश के लिए म्यूचुअल फंड योजनाओं की प्रभावशीलता को स्पष्ट करना।
■ निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, रिडीम, रिडेम्पशन से संबंधित लेनदेन करने में मदद करना।
■ निवेश के प्रदर्शन पर अक्सर निवेशकों का मार्गदर्शन करना।

तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बहुत तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप जब म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो पूरी लगन और मेहनत से लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करते हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा करियर साबित हो सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनआईएसएम से बी-1 सर्टिफिकेशन एग्जाम क्वालिफाई करना होगा।

विकास शर्मा, फाउंडर, फाइनेंशियल स्ट्रीट

QUES 1:- What does 'bullish' market mean?

A- Prices will decline.

B- Prices are expected to rise.

C- The market is unstable.

D- No price requirement is expected.

Ans- B

Explanation: A bullish market occurs when prices are increasing and the investors believe the price will continue to go up.

QUES 2:- Which of the following is a trend-following indicator?

A- Moving Average

B- Stochastic Oscillator

C- RSI (Relative Strength Index)

D- Fibonacci Retracement

Ans- A

Explanation: The purpose of moving averages is to smooth price data to gain directional bias.

QUES 3:- What is RSI in technical analysis?

    A- Real Strength Indicator

    B- Relative Strength Index

    C- Relative Stock Indicator

    D- Real Stock Index

Ans- B

Explanation: RSI stands for Relative Strength Index, which is a momentum tool that measures the speed and change of price movements to identify overbought or oversold conditions.

QUES 4:- Which of these is a type of chart used in technical analysis?

    A- Line chart

    B- Bar chart

    C- Candlestick chart

    D- All of the above

Ans- D

Explanation: Technical analysis can be represented in price movements through line charts, bar charts, and candlestick charts.

QUES 5:- What is a support level?

    A- A support level where a downtrend is predicted to finish.

    B- Vital price level from which a new uptrend is anticipated

    C- A price level where prices tend to reverse back up

    D- A price level at which no trades are executed

Ans- C

Explanation: A support level is a price at which an asset tends to receive buying interest that prevents the price from falling even lower.

QUES 6:- What does a 'head and shoulders' signal?

    A- Continuation of the trend

    B- A reversal of the trend

    C- Increased volatility

    D- No trend change

Ans- B

Explanation: Head and shoulders is a reversal pattern that indicates a change in the direction of the trend— from upside to downside.

QUES 7:- What will be the indicator of the show of the market momentum?

A- PE ratio

B- MACD (Moving Average Convergence Divergence)

C- Bollinger Bands

D- Fibonacci Levels

Ans- B

Explanation: The MACD is a momentum trend-following indicator that shows the relationship between two moving averages.

QUES 8:- What does a 'Doji' candlestick mean?

A- Strong trend

B- Indecision or reversal

C- High volatility

D- Continuation pattern

Ans- B

Explanation: When the open price and close price are similar to each other, it is known as a doji candlestick. If we look at a chart, we can understand that we have an indecisive situation, and sometimes it means a trend reversal.

QUES 9:- What is a breakout in technical analysis?

    A- When price moves outside a defined range

    B- A stock hitting a support level

    C- When volume drops

    D- When the RSI goes into overbought territory

Ans- A

Explanation: A breakout is when the price breaks through a resistance or support level and signals the potential for a new trend.

QUES 10:- High volume during an uptrend is a sign of?

    A- The Trend is weakening.

    B- Strong trend, looks like it will continue.

    C- The Trend is reversing.

    D- The market is overbought.

Ans- B

Explanation: The trend is strong and likely to continue.

QUES 11:- Why do we use Fibonacci retracement?

    A- To forecast future pricing objectives

    B- Own purposes to determine potential reversal levels

    C- More in the prediction of market volatility

    D- As an indicator of market sentiment

Ans- B

Explanation: Fibonacci retracement levels are used to identify areas of the market where the prices reverse or support/resistance.

QUES 12:- What does the MACD histogram tell you?

    A- Trend direction

    B- Strength of the trend

    C- Momentum shift

    D- All of the above

Ans- D

Explanation: The MACD histogram, which measures the difference between the MACD and the signal line, is a great indicator of trend strength, trend direction, and momentum shifts.

QUES 13:- What does an 'overbought' condition usually mean?

   A- Buy signal

   B- Sell signal

   C- Market stability

   D- No action is required.

Ans- B

Explanation: An overbought condition (RSI above 70) usually means that the market is due for a reversal.

QUES 14:- Which of the following is a lagging indicator?

   A- Moving Average

   B- Stochastic Oscillator

   C- Bollinger Bands

   D- RSI

Ans- A

Explanation: As an indication that they are based upon historical price data, they are called lagging indicators because they react to look back at the trends after the event has already occurred.

QUES 15:- What's the importance of the 200-day moving average?

    A- It reflects a short-term behavior.

    B- It shows indicators of long-term trends.

    C- It signals market tops.

    D- It predicts changes in the economy.

Ans- B

Explanation: The 200-day moving average is a widely tracked long-term trend indicator and demonstrates the general direction of the market over an extended period.

QUES 16:- Which of these candlestick patterns is a bullish reversal?

    A- Engulfing pattern

    B- Shooting star

    C- Dark cloud cover

    D- Hanging man

Ans- A

Explanation: An engulfing pattern (i.e., a small red candlestick followed by a large green candlestick) indicates a potential reversal from bearish to bullish.

QUES 17:- Which of the following is not a component of Dow Theory?

A- The market discounts everything.

B- Volume confirms trends.

C- Any market moves three ways: cycle, trend, and minor.

D- Fibonacci retracements are the bee's knees.

Ans- D

Explanation: Dow Theory is concerned about market trends, time, and volume; however, it does not mention Fibonacci retracements.

QUES 18:- What are Bollinger Bands used for?

A- For tracking the volatility of price

B- However, to confirm overbought or oversold conditions

C- To predict price targets

D- To indicate trend reversal

Ans- A

Explanation: Bollinger Bands are a moving average along with two standard deviation lines above and below it, allowing you to measure price volatility as well as identify overbought or oversold conditions.

QUES 19:- What does a cup with a handle pattern tell you?

    A- Continuation   bullish pattern

    B- Bearish reversal pattern

    C- Sideways consolidation

    D- No clear trend

Ans- A

Explanation: The cup and handle is a bullish continuation pattern that indicates a price movement that trends higher after the cup and handle shapes have formed.

QUES 20:- What does the stochastic oscillator measure?

    A- The strength of a trend

    B- Overbought and oversold conditions

    C- Market sentiment

    D- Price volatility

Ans- B

Explanation: The stochastic oscillator finds overbought or oversold conditions by comparing an asset's closing price to its price range over a certain period.

QUES 21:- What is a 'false breakout'?

  A- The price breaks out, but the price comes back to the original range.
  B- Breakout failure above a resistance level
  C- Prices will remain within the support zone.
  D- When the trend resumes stronger after a breakout

Ans- A

Explanation: A false breakout is when the price breaks above resistance or below support but fails to hold the move and reverses fast.

QUES 22:- What is a 'tweezer top' formation?

  A- Bullish reversal
  B- Bearish reversal
  C- Continuation of trend
  D- High volatility

Ans- B

Explanation: A tweezer top, which appears when we see two candlesticks hauling the same high, is the bearish reversal pattern; that means the price will likely decline.

QUES 23:- What is the 'golden cross-over'?

A- The 50-day moving average crosses above the 200-day moving average.

B- When you hit the top price of a stock

C- When RSI is above 70

D- During a sudden surge in volume

Ans- A

Explanation: It is a bullish signal, meaning that the short-term trend is strengthening and the price will go up.

QUES 24:- How significant is volume in technical analysis?

A- To confirm price trends

B- To predict price targets

C- For gauging price movement

D- Help to find EPS

Ans- A

Explanation: Volume in confirming price trends. During a trend, high volume shows intense interest, while low volume shows weak trends.

QUES 25:- Which of these is not a kind of chart pattern?

A- Triangles

B- Flags and Pennants

C- Cup with Handle

D- Inflation spikes

Ans- D

Explanation: Inflation spikes are economic happenings, not chart patterns. Technical chart patterns include triangles, flags, pennants, cup and handle, etc.

QUES 26:- Which of these indicators guides you in spotting the momentum of the trend?

A- MACD

B- Bollinger Bands

C- RSI

D- Moving Average

Ans- A

Explanation: Moving Average Convergence Divergence is used to identify the strength of momentum and to indicate that it may reverse.

QUES 27:- What does bearish divergence mean in technical analysis?

    A- Possible continuation of the bullish trend

    B- A possible transition from an uptrend to a downtrend

    C- A consolidation phase

    D- A strong bullish signal

Ans- B

Explanation: A bearish divergence signifies when the price creates a higher peak but the indicator (such as RSI or MACD) creates a lower peak, implying dwindling momentum and a potential trend reversal.

QUES 28:- How does technical analysis work?

    A- Fundamental Analysis (Company Earnings and Fundamentals Review)

    B- Analyzing historical market prices and trends

    C- Predicting economic news

    D- Interpreting political shifts

Ans- B

Explanation: Technical analysis is a method of analyzing market data in the past, like price and volume, and determining how price will behave in the future.

Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Baffett , we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

○ **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

○ **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

○ **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in ▬▬ in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.

तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट
पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

📰 एक्सपर्ट स्टोरी

विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेंशियल स्ट्रीट

आपने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिकमार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्जन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूंढें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।

शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें

विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि ब्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हें अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय–समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

■ शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. कोविड के दौर में जहां रोजगार देने वाले कई सेक्टर की हालत खराब चल रही है, वहीं शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। इसे देखते हुए भविष्य में इस सेक्टर में शेयर ब्रोकर, शेयर मार्केट एनालिस्ट और कई जानकार लोगों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए ढेरों संभावनाएं हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बीते कुछ माह के प्रदर्शन के मद्देनजर युवाओं का रुझान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ब्रोकिंग का काम देख रहे संजीव कुमार ने बताया, अभी कई निवेश कंपनियों और वित्तीय सलाहकार कंपनियां मैदान में हैं। इनके चलते यहां जॉब के कई मौके हैं। इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स को देखते हुए एमबीए, सीए, आईसीडब्ल्यूए इस और रख का ही है। स्टॉक एक्सचेंज से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य संवार रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार की बात करें तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट के रूप में कुछ जा सकता है।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए चल रहे विभिन्न पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए अभ्यर्थी का स्नातक होना अनिवार्य है। कुछ संस्थानों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए एक व दो वर्षीय डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित एनएसई में रेज...

प्रमुख संस्थान

■ मुंबई स्टॉक एक्सचेंज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मुंबई

■ दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

■ इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट डेवलपमेंट, नई दिल्ली

■ यूटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नई मुंबई

■ जेटीबी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नासिक

■ पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

■ आईसीएफएआई, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील्ड में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील्ड है। हर एक में बेहतर करियर बनाया जा सकता है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ ब्रोकिंग और इसमें कई हिस्से हैं। यहां प्रोफेशनल की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में कायी स्कोप है।

आकिल मनाद, मैनेजर वौल्स्ई, एनएसई

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के करियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, मार्जुअर प्लानर्ल, सिक्योरिटी एनालिस्ट, इक्विटी एनालिस्ट। इस सेक्टर में बाजार के उतार-चढ़ाव पर नजर रखने के साथ उनका विश्लेषण करने वालों की जरूरत है, ताकि परिणाम बेहतर आ सके।

विकास वर्मा, ग्वालियर

समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से पैसे का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

विकाश शर्मा,

को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है

■ **कॅरियर** कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इंश्योरेंस

सवा सौ करोड़ के देश में इंश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

■ इंश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल स्किल्स और सेलिंग स्किल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।

■ आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इंश्योरेंस सेक्टर भावी कॅरियर के तौर पर देखा जा रहा है।

■ पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इंश्योरेंस में बेहतरीन कॉलेज ऑफर करते हैं।

■ बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सेज ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा कॅरियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इंश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इंश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ इंश्योरेंस और जनरल इंश्योरेंस के लिए आईसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सेलरी, इंसेंटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा कॅरियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बड़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इंश्योरेंस सेक्टर

इंश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डवलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

मैं पिछले 25 साल से इंश्योरेंस एजेंट हूं और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूं इंश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा कॅरियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इंश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंता करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इंश्योरेंस को लेकर काफी जागरुकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इंश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

⊙- **day special** नेशनल इंश्योरेंस अवेयरनेस डे

कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी

इंश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्योर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस को तो वेटेज देते है, लेकिन जनरल इंश्योरेंस को पीछे छोड़ देते है, जबकि यह भी बहुत जरूरी हैं। इंश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इंश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंट्रेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के बाद से इंश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस की तरह जनरल इंश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इंश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिन्युअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इंश्योरेंस

इंश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर हर चीज मिल सकती है, लेकिन इंश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान करना होगा। इंश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इंश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series

Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: https://www.financialstreet.in/

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Financial Analyst & Having more than 15 years' Experience in Financial Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

"THANK YOU"